पाठ - थप्प रोटी थप्प दाल

कठिन शब्द -

- उत्साह
- साग
- मक्खन
- मट्ठा
- हांड़ी
- अभिनय
- तरकारी
- कलछी
- डलिया
- शान
- आन
- चुपड़ी
- कित्ता
- सरपट
- पसार

शब्दार्थ -

उत्साह - उमंग, जोश
साग - हरी पत्तेदार सब्जियां
हांड़ी - मिट्टी का बर्तन
अभिनय - किसी अभिनेता या अभिनेत्री के द्वारा किया जाने वाला वह कार्य है जिसके द्वारा वे किसी कथा को दर्शाते हैं
तरकारी - सब्जी
कलछी - करछी
डलिया - टोकरी
शान - ठाट–बाट, वैभव
आन - अंदाज़
चुपड़ी - किसी वस्तु पर किसी चीज़ को चुपड़ना(लगाना), लेपित

egyanarchive

कित्ता	-	कितना
सरपट	-	तेजी से, जल्दी से
पसार	-	फैलाना
करारी भूख	-	बहुत जोर की भूख
भात	-	पकाया हुआ चावल

कोई और शीर्षक

नाटक का नाम थप्प रोटी थप्प दाल क्यों है?

तुम इसे क्या शीर्षक देना चाहोगे?

उत्तर-

(क) नाटक का नाम थप्प रोटी थप्प दाल इसलिए है क्योंकि इसमें बच्चे रोटी और द्राल पकाने का अभिनय करते हैं।

(ख) दूसरा शीर्षक-आओ पकाएं रोटी-दाल

आवाज़ वाले शब्द

थप्प रोटी थप्प दाल

'थप्प' शब्द से लगता है किसी तरह की आवाज़ है। आवाज़ का मज़ा देने वाले और भी बहुत से शब्द हैं जैसे-टप, खट। ऐसे ही कुछ शब्द तुम भी लिखो।

उत्तर-

पट चट खर्र घर्र

कौन-कौन से खेल

इस नाटक में बच्चे रोटी बनाने का खेल खेलते हैं। तुम अपने साथियों के साथ कौन-कौन से खेल खेलती हो, उनके नाम लिखो।

- कबड्डी
- खो-खो
- क्रिकेट
- पकड़म-पकड़ाई
- बैडमिन्टन
- आँख-मिचौली
- फुटबॉल
- कैरम बोर्ड

egyanarchive

<u>सोचकर बताओ</u>

(क) नीना चुन्नू और टिंकू से ही दाल क्यों बनवाना चाहती होगी?

(ख) बच्चों ने खाने-पीने की चीजें छींके में क्यों रखीं?

(ग) चुन्नू ने दाल को पहले खट्टा फिर मीठा क्यों बताया?

<u>उत्तर</u>-

(क) नीना चुन्नू और टिंकू से ही दाल इसलिए बनवाना चाहती होगी क्योंकि उसे पता था कि ये लड़के हैं और इन्हें दाल बनाना तो दूर आग जलाना भी नहीं आता। इनसे दाल बनवाकर वह उन्हें परेशान करना चाहती थी। उनका मज़ाक उड़ाना चाहती थी।

(ख) बच्चों ने खाने-पीने की चीजें छींके में इसलिए रखीं ताकि उन्हें कोई चुरा न ले या बिल्ली खा न ले।

(ग) चुन्नू ने दाल को पहले खट्टा फिर मीठा इसलिए बताया क्योंकि वह लड़कियों को चिढ़ाना चाहता था।

<u>तुम्हारी बात</u>

तुम्हारे घर में खाना कौन बनाता है? तुम खाना बनाने में क्या-क्या मदद करते हो? नीचे दी गई तालिका में लिखो।

खाना कौन बनाता है।	**मैं क्या-क्या मदद कर सकता हूँ**	**मैं क्या मदद करता हूँ**
मम्मी	सब्जी धो सकता हूँ।	सलाद काटता हूँ।
दादी	सलाद काट सकता हूँ।	सब्जी धोता हूँ।
पापा (कभी-कभी)	खाना लगा सकता हूँ।	खाना लगाता हूँ।

egyanarchive

<u>तुम क्या बनातीं</u>

इन बच्चों की जगह तुम होतीं तो खाने के लिए कौन से तीन पकवान बनातीं? उन्हें बनाने के लिए किन चीज़ों की ज़रूरत पड़ती? पता करो और सूची बनाओ।

पकवान का नाम	**किन चीजों की जरूरत होगी।**
आलू की सब्जी	आलू, प्याज, तेल या रिफाइंड, मसाले, टमाटर
पूरी	आटा, रिफाइंड, पानी
रायता	बूंदी, दही, नमक

मट्ठा बनाएँ

(क) सरला ने कहा-मैं दही का मट्ठा चला देंगी।

दही का मट्ठा चलाने का मतलब है|

- दही बिलोना
- दही से लस्सी या छाछ बनाना

सरला को इस काम के लिए किन-किन चीज़ों की ज़रूरत होगी, उनके नाम लिखो।

उत्तर-

दही, हाँडी, बिलोनी या रई, चीनी, पानी और बर्फ।

(ख) बिलोना, घोलना, फेंटना

उत्तर-

1. **बिलोना:**
   विधि: किसी चीज को रई या मथनी से मथकर बिलोना जाता है।
   उदाहरण: दही बिलोना, छाछ बिलोना
   प्रयोग: बिलोना का प्रयोग आमतौर पर दही, छाछ, मक्खन आदि को मथने के लिए किया जाता है।
2. **घोलना:**
   विधि: किसी घुलनशील पदार्थ को तरल पदार्थ में मिलाकर घोलना जाता है।
   उदाहरण: चीनी को पानी में घोलना, नमक को पानी में घोलना
   प्रयोग: घोलना का प्रयोग आमतौर पर तरल पदार्थों में घुलनशील पदार्थों को मिलाने के लिए किया जाता है।
3. **फेंटना:**
   विधि: किसी चीज को हाथों या चम्मच से हिलाकर फेंटना जाता है।
   उदाहरण: अंडे को फेंटना, दूध को फेंटना
   प्रयोग: फेंटना का प्रयोग आमतौर पर तरल पदार्थों को हवादार बनाने या उनमें मिश्रण बनाने के लिए किया जाता है।

(ग) किन्हीं दो-दो चीज़ों के नाम बताओ जिन्हें बिलोते, घोलते और फेंटते हैं।

उत्तर-

क्रिया	विधि	उदाहरण	प्रयोग
बिलोना	मथना	दही, छाछ	दही, छाछ, मक्खन आदि को मथने के लिए

egyanarchive

घोलना	मिलाना	चीनी को पानी में	तरल पदार्थों में घुलनशील पदार्थों को मिलाने के लिए
फेंटना	हिलाना	अंडे, दूध	तरल पदार्थों को हवादार बनाने या उनमें मिश्रण बनाने के लिए

(घ) सरला ने रई से मट्ठा बिलोया।

रई को मथनी भी कहते हैं। रसोई के दूसरे बर्तनों को तुम्हारे घर की भाषा में क्या कहते हैं? कक्षा में इस पर बातचीत करो और एक सूची बनाओ।

उत्तर-

थाली	कटोरी	ग्लास
कड़ाही	कलछी	छलनी
चिमटा	चकला	बेलन
प्रेशर कुकर	तवा	चम्मच

आओ तुकबंदी करें।

नाटक में बच्चों ने अपनी बात को कई बार कविता की तरह कहा है जैसे-

टिंकू ने पकाई बड़ियाँ,

चुन्नू ने पकाई दाल

टिंकू की बड़ियाँ जल गई,

चुन्नू का बुरा हाल

अब तुम भी नीचे लिखी पंक्तियों में कुछ जोड़ो-

उत्तर-

घंटी बोली टन-टन-टन

चूड़ी खनकी खन-खन-खन।

कहाँ चले भई कहाँ चले

दो तीन नहीं चार भले।

egyanarchive

रेल चली भई रेल चली
मची यात्रियों में खलबली
कल की छुट्टी परसों इतवार
क्या होगा जब आएगा सोमवार
रोटी दाल पकाएँगे
खाएँगे खिलाएँगे।

egyanarchive